वासं राचयेत गुराः कुले (schol. इच्छेत्); R. Schl. I. 36.3.: गमनं राचयामास; MAH. 1.5741.: ন हि पापम् अपापातमा राचयिष्यति. (Cf. लाच्, लोक्, lat. LUC, luc-s; luceo = Caus. राचयामि - v. gr. comp. 109²).6. - gr. λευ-κός, λύχ-νος, goth. liuh-ath lumen, ubi iu respondet sanscrito मा = म्र + उ, debilitato gunae incremento a in u - v. gr. comp. 27. - germ. vet. liuh-tjan lucere, nostrum leuch-ten; slav. Λογγλ lúća radius, Λογκλ lú-na luna; hib. loiche, loichead «a light, candle, lamp; lightning, flame, splendour», logha «splendid», logh-mhar «bright». Huc etiam trahi possunt hib. leos «light», leosaim «I light up, kindle»; les «light, illumination» mutatà gutturali in sibilantem, nisi pertinent ad लस्; v. लोक्.)

c. म्रति r. splendore vincere, überstrahlen. MAH. 3. 486.: मृत्योचश्च भूतात्मन् भास्कारं स्वेन तेजसा

с. म्रनु Caus. i.q. Caus. simpl. MAH. 3. 12679:: वनम् एवा 'न्वराचयत्

c. म्रिन Caus. id. R. Schl. II. 30.27.: न देवि तव उ:खेन स्वर्गम् एवा 'नुराचयेः Cum infin. vel nomine actionis in मृत R. Schl. II. 29.19.: ना 'भिरोचयसे नेतुन् त्वम् माङ् कोने 'व हेतुना; R. Schl. I. 36.2.: गमनाया 'भि-रोचय (cf. गमनायो 'पचक्रमे p. 87.).

c. 7 Caus. id. R. Schl. II. 30.28.

c. प्रति Caus. id. MAH. 3. 11546.: प्रस्थानम् प्रत्यराच-यन् sie beliebten fortzugehen.

c. वि splendere. N.17.11: पिप्रुस् तस्या व्यराचत ... व्यम्ने नमसी 'व निशाकरः; In.1.40.

2. रूच् f. (r. रूच्) splendor. MEGH. 45. (Cf. lat. luc-s.) रूचि f. (r. रूच् s. रू) 1) id. MEGH. 15. 2) desiderium, appetitus. Hit. 19.15.

हाचिर (r. हाचू s. इर्) splendens, pulcher, amoenus. N. 4. 28. 5.3. A. 4. 52.

1. रूज् 6. r. frangere. राज fractus. MAH. 3.678: जातराज इञ -- जनस्पति: - Cl. 10. (हिंसे) ferire, laedere, occidere. (V. रूजा, राज aegritudo et cf. lith. láuz'u frango, praet. láuz'iau = Caus. vel 10. cl. राजयामि, mutato r in l, g' i. e. g in z', v. p. 99. not.; germ. vet. LUCH vellere, ar-liuhhan evellere, v. Graff. II. 137.; lat. lágeo = Caus. vel cl. 10. বিজয়ামি (gr. comp. §.109^a). 6.); gr. λυγρός, ο-ΡΥΓ, δ-ρύσσω, δ-ρυγμα, δ-ρυκτή, δρυχή, praefixà vocali, sicut in ὄνομα, δφρύς, ε-λαχύς etc.)

с. म्रव i.q. simpl. HID. 1.12.: म्रवरूड्य -- ग्लमान् -

с. म्रा ४. id. MAH. 2. 2113.: विषाणङ् गीर् इव मदात् स्वयम् म्राहजते उत्मनः

c. 到 praef. 日日 id. MAH. 4. 1082.

c. वि diffringere. SAK. 24.16.: धर्मार्एयं विरुत्रति गतः

2. 大豆 f. (N. 大豆, r. 大豆) morbus, aegritudo. UR. 42.4. 天豆 f. (r. 天豆 s. 天貝) id. SA. 5.68.81.

1. र्रेट्र 1. 1. (प्रतिघाते र. दोप्तिप्रतिहतयो: v.) arcere, avertere; splendere. Cf. 2. रुट्ट्र, 2. लुट्ट.

2. र्रू 10. म. (रुपि ४. रुपि खुती म.) irasci (cf. रुप्); splendere (cf. रुप्).

1. रुट्र 1. म. (उपचात) ferire, occidere, perturbare.

2. <u>मृठ</u> 1. A. (प्रतिघाते) arcere, avertere. Cf. 1. मृट्.

र्मार्ट् 1. म. (स्तेये; scribitur रूट्र, gr. 110°).) furari. Cf. रूपड्र, लुपड्र, लुपड्र.

र्गार्ह 1. P. (जत्यालस्यस्तयावार) ire; pigrum esse; furari; claudicare.

रुएड् 1. P. furari. V. रुएट्र.

रुद्धः 2. p. interdum A. (anom. v. gr. 354.) Praet. mltf. म्रोनिविष्य et म्रुरुद्धम् . Flere. N.11.14: क्रोशित रादितिः 16.34: तदिते भृशम्; Br. 3.20: त्रुरुस् त्रयः; MAH. 3.593: मा रादोः; R. Schl. I. 46.20: मा रुद्धां मा रुद्धः II. 52.19: त्रुरुद्धे — Etiam cl. 6. p. A. Br. 3.22: मा पिता रुद्धः MAH. 1.5597: शोचतच रुद्धेतचः — Trans. deflere, c. acc. Bhatt. 5.5: म्ररादीत् सा भातराः — Intens. valde flere. Br. 3.2: किम् एवम् भृशउः खातां राह्याम् ; 1. 4: राह्यमानांस् तान् दृष्टाः (Cf. ह्र, lat. rudo, germ. vet. RUZ flere, — riuzu, rôz, ruzumês; lith. raudoju lamentor et slav. rydajû fleo — Caus. राद्ध्याम्, v. gr. comp. 505. 506.